

प्रेषक,

टी०आर० भट्ट,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

विषय: हरिद्वार में विशिष्ट राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके संचालनार्थ 26 अस्थाई पदों का सृजन किए जाने विषयक।

देहरादून : दिनांक 28 अगस्त, 2006

महोदय,

उपरोक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद हरिद्वार में विशिष्ट राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुये, इसके लिए प्रस्तावित आठ व्यवसाय कोषा, फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, पेंटर जनरल, इन्स्ट्रुमेंट मैकेनिक, इलेक्ट्रानिक्स एवं वैल्डर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 26 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनदेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद की भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो सो दिनांक 28.02.2007 तक के लिए बर्तों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

विशिष्ट राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हरिद्वार हेतु पदों का विवरण-

क्र०सं०	पदों का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1.	प्रधानाचार्य	01	8000-13500
2.	कार्यदेशक	01	6500-10500
3.	व्यवसाय अनुदेशक	08	5000-8000
4.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
5.	अनुदेशक कला/गणित	01	5000-8000
6.	सहायक भण्डारी	01	4000-6000
7.	वरिष्ठ सहायक	03	4000-6000
8.	कनिष्ठ लिपिक	01	3050-4590
9.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2610-3540
10.	अनुसेवक	01	2550-3200
11.	बौकीदार	05	2550-3200
	स्वच्छकार	01	2550-3200
	योग	26	

2- उक्त पद के पारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

- 5- व्यय करो समय स्टोर परवेज रुल्स, डीजीएसएण्ड डी, की दरों अथवा शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का कय प्रत्येक ट्रेड के एन0सी0वी0टी0 के मानक के अनुसार ही कय किया जायेगा।
- 6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।
- 7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु अनुदान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230-अम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, 003-दस्ताकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्ताकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान-आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुरंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।
- 8- यह आदेश के अशासकीय संख्या यू0ओ0-469/वित्त अनुभाग-5/2006 दिनांक 01-अगस्त, 2006 के अन्तर्गत प्राप्ता उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टी0आर0 भट्ट)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : संख्या 84(1)/VIII/04-प्रशि0/2006 तददिनांकित :
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 3- जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
- 5- अपर सचिव, वित्त-बजट, उत्तरांचल शासन।
- 6- उपनिदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया उक्त सूचना को राजपत्र के आगामी अंक में प्रकाशित कर वांछित प्रतियां शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 7- अपर सचिव, गोपन को कैबिनेट के निर्णय 29.11.2005 के क्रम में सूचनार्थ
- 8- वित्त अनुभाग-5
- 9- नियोजन अनुभाग।
- 10- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर।
- 11- निजी सचिव, मा0 श्रम मंत्री जी।
- 12- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 13- गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(आर0के0 चौहान)
अनुसचिव।

प्रारम्भ किये जा रहे व्यवसायों का विवरण :-

क्र०सं०	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	कोपा	01	20
2.	फिटर	01	16
3.	टर्नर	01	12
4.	मशीनिष्ट	01	12
5.	पेंटर जनरल	01	16
6.	इन्स्ट्रुमेंट मेकैनिक	01	16
7.	इलेक्ट्रानिक्स	01	16
8.	वैल्डर	01	12

3- उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 2,80,38,000/- (रुपये दो करोड़ अस्सी लाख अड़तीस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

बजट व्यवस्था :-

क्र०सं०	मद का नाम	धनराशि हजार रुपये में आवश्यक धनराशि
1.	01-वेतन	01
2.	03-महंगाई भत्ता	01
3.	04-यात्रा भत्ता	01
4.	06-अन्य भत्ते	01
5.	08-कार्यालय व्यय	10
6.	09-विद्युत दाय	01
7.	10-जलकर/जल प्रसार	01
8.	21-छात्रवृत्ति/छात्रवैतन	01
9.	26-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण	28000
10.	42-अन्य व्यय	20
11.	48-महंगाई वेतन	01
	योग:	28038

4- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवेदन पर स्वीकृति की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित राशि तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहां ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जावेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कदाई से सुनिश्चित किया जाये व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।